भारत सरकार
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय
कृषि एवं किसान कल्याण विभाग
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 2955
10 मार्च, 2026 को उत्तरार्थ

विषय: कृषि और संबद्ध क्षेत्र का प्रदर्शन

2955. श्री रविन्द्र दत्ताराम वायकरः
डॉ. दग्गुबाती पुरंदेश्वरीः
श्री श्रीरंग आप्पा चंदू बारणेः
श्री नरेश गणपत म्हस्केः
श्रीमती भारती पारधीः
डॉ. श्रीकांत एकनाथ शिंदेः

क्या **कृषि और किसान कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या कृषि और संबद्ध क्षेत्र ने वित्त वर्ष 2016-25 के दशक के दौरान 4.45 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है, जो पिछले दशकों की तुलना में उच्चतम है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या यह बेहतर दशकीय प्रदर्शन मुख्य रूप से पशुधन में 7.1 प्रतिशत और मत्स्यपालन एवं जलीय कृषि में 8.8 प्रतिशत की निरंतर वृद्धि का परिणाम है;

(ग) क्या संबद्ध कार्यकलापों में अपेक्षाकृत उच्च वृद्धि फसल केंद्रित कृषि से विविध आय स्रोतों की ओर संरचनात्मक बदलाव का संकेत है;

(घ) क्या इस तरह के विविधीकरण ने फसल उत्पादन से जुड़ी पारंपरिक अस्थिरता को कम किया है;

(ङ) क्या वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में 3.5 प्रतिशत की वृद्धि का जारी रहना इस संरचनात्मक परिवर्तन के सुदृढ़ीकरण को दर्शाता है; और

(च) पशुधन और मत्स्यपालन के बढ़ते योगदान ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था में दीर्घकालिक आय सुरक्षा और लचीलेपन को किस सीमा तक बढ़ाया है?

उत्तर

कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री (श्री भागीरथ चौधरी)

(क) से (ग) सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसएंडपीआई) द्वारा जारी जीवीए के नवीनतम अनुमानों के अनुसार, कुल जीवीए में कृषि और संबद्ध क्षेत्र की हिस्सेदारी लगभग 18 प्रतिशत है। इसके अतिरिक्त, राष्ट्रीय लेखा सांख्यिकी के अनुसार, वर्ष 2014-15 के लिए कृषि और संबद्ध क्षेत्र का जीवीए 20,93,612 करोड़ रुपये और वर्ष 2023-24 के लिए 48,77,867 करोड़ रुपये अनुमानित है। कृषि और संबद्ध क्षेत्र ने वर्तमान मूल्यों पर वर्ष 2014-15 से वर्ष 2023-24 की अवधि के लिए 8.83 प्रतिशत की कंपाउंड वार्षिक वृद्धि दर्ज की है।

राष्ट्रीय लेखा सांख्यिकी के अनुसार, कृषि और संबद्ध क्षेत्र में पशुधन, फसलों और मात्स्यिकी तथा एक्वाकल्चर की हिस्सेदारी क्रमशः 30.87 प्रतिशत, 54.39 प्रतिशत और 7.55 प्रतिशत है। वर्ष 2014-15 के लिए पशुधन का जीवीए 5,10,411 करोड़ रुपये अनुमानित किया गया था जो वर्ष 2023-24 में बढ़कर 15,05,615 करोड़ रुपये हो गया है। वर्ष 2014-15 के लिए फसलों का जीवीए 12,92,874 करोड़ रुपये अनुमानित किया गया था जो वर्ष 2023-24 में बढ़कर 26,52,891 करोड़ रुपये हो गया है। इसी प्रकार, मात्स्यिकी और एक्वाकल्चर का जीवीए वर्ष 2014-15 के 11,65,67 करोड़ रुपये से बढ़कर 2023-24 में 36,81,24 करोड़ रुपये हो गया है।

(घ) से (च): देश में विगत 10 वर्षों के दौरान खाद्यान्न के उत्पादन में वृद्धि हो रही है। वर्ष 2015-16 के लिए देश में कुल खाद्यान्न उत्पादन 2515.42 लाख मीट्रिक टन अनुमानित किया गया था, जो वर्ष 2024-25 के दौरान बढ़कर 3577.32 लाख मीट्रिक टन हो गया है, जिसमें लगभग 3.6 प्रतिशत की कंपाउंड वार्षिक

वृद्धि दर्ज की गई है। इसके अतिरिक्त, खरीफ फसलों के लिए 2025-26 के लिए प्रथम अग्रिम अनुमानों के अनुसार, खरीफ खाद्यान्न उत्पादन रिकॉर्ड 1733.30 लाख मीट्रिक टन अनुमानित है।

वर्ष 2025-26 के लिए वार्षिक जीडीपी के दूसरे अग्रिम अनुमान के अनुसार, कृषि और संबद्ध क्षेत्र का जीवीए 2.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करते हुए 52,08,800 करोड़ रुपये होने का अनुमान है।

देश में कृषि परिवारों की औसत मासिक आय का अनुमान समय-समय पर सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा किए गए कृषि परिवार स्थिति मूल्यांकन सर्वेक्षण (एसएएस) के माध्यम से लगाया जाता है। देश के ग्रामीण क्षेत्रों में एनएसएस के नवीनतम 77वें दौर के सर्वेक्षण (जनवरी, 2019 - दिसंबर, 2019) के अनुसार, फसल उत्पादन, पशुपालन, मजदूरी, गैर-कृषि व्यवसाय और भूमि को पट्टे पर देने सहित विभिन्न स्रोतों से प्रति कृषि परिवार औसत मासिक आय 10,218/- रुपये प्रति माह होने का अनुमान है। इन स्रोतों का योगदान स्थानीय कृषि-जलवायु परिस्थितियों, खेत के आकार और फसल पैटर्न के आधार पर राज्यों में भिन्न-भिन्न होता है। इन सर्वेक्षणों के अनुसार, प्रति कृषि परिवार अनुमानित औसत मासिक आय वर्ष 2012-13 (एनएसएस 70 वां दौर) के ₹ 6,426 से बढ़कर वर्ष 2018-19 (एनएसएस 77 वां दौर) में ₹10,218 हो गई है।

*****